



भारत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

ल० 213]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार यदि 14, 1992/वैषाख 24, 1914

No. 213]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 14, 1992/VAISAKHA 24, 1914

हम शहर में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation.

कम्पनी विधि बोर्ड]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1992

सा.का.नि. 492(ब्र):—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 103, को उत्तरार्थ (6) द्वारा प्रदत्त विधियों को प्रयोग करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एवं दस्तावेज कम्पनी विधि बोर्ड विनियम, 1991 में निम्नलिखित संशोधन करता है, ताकि:

1. (1) इन विनियमों का नाम कम्पनी विधि बोर्ड (वंशोदय) विनियम, 1992 है।

(2) ये राजनव में प्रकाशित होने की तारीख से प्रदूत होंगे।

2. कम्पनी विधि बोर्ड विनियम, 1991 में—

(क) विनियम 4 के उपविनियम (3) के बाद निम्नलिखित परन्तुक प्रविष्ट किया जाएगा, नामः

“बशर्ते कि विनियम 7 में कही गई किसी बात के बाबजूद अध्यक्ष के लिए किसी भी क्षेत्रीय न्यायपीठ ने समत चतुर रुप मामले को प्रवान न्यायपीठ को लिखित रूप में बताए कारणों वश हस्तांतरित करना विधि-सम्मत होगा।”

(ब) विनियम (7) के उपविनियम (3) के परन्तुक के अन्त में निम्नलिखित शब्दों को जोड़ा दिया जाएगा, नामः

“पर्याम को सहमति से अधिकार के बाहर किसी ग्रन्त स्थान पर।”

(ग) विनियम (14) के उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम का प्रतिलिपि किया जाएगा, नामः

“(2) यात्रिकाकर्ता याचिला हुआवे का आवेदन पत्र की एक प्रति प्रतिक्रीया या जैसी यो रिपोर्ट हो, उपलिखितों को तामील करेगा और ऐसी तालीका का साक्ष ग्रहित करेगा।”

(घ) विनियम 18 में—

(1) उपविनियम (2) यात्रा “द्वितीय प्रतिलिपि” की अंतर्ह “यह या अधिकार प्रतिलिपि या अभिभवता” शब्दों को प्रतिलिपि किया जाएगा।

(2) उपविनियम (3) में शब्द प्रौद्योगिक “जैडा अनुलग्नक-II में कार्प संवेदन-5” को जोड़ा जाएगा।

(3) विनियम (19) के उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम को प्रतिलिपि किया जाएगा—

“(2) कोई भी पक्ष लिखित रूप में एक अधिवक्ता या पूर्ण-कालिक व्यवसायिक कम्पनी सचिव, या व्यावसायिक चार्टर्ड

एन्डोर्नेट या व्यापकीय कार्ट और वक्तं प्रॉटोट्रॉन को अपना अधिकृत प्रतिनिधि बना सकता है। न्यायपीठ के समक्ष कार्यवाही में कम्पनी की ओर से भाग लेने के लिए एक कम्पनी अपने नियेक या कम्पनी सचिव को अधिकृत या नियुक्त कर सकती है।

(क) विनियम 21 के उपविनियम (7) में “अंशधारियों, नेतदारों या उसमें से किसी वर्ग” शब्दों को विलुप्त कर दिया जाएगा।

(छ) विनियम 27 को विलुप्त कर दिया जाएगा।

(ज) विनियम 29 में—

(1) विद्यमान उपविनियम (2) में (6) तक दोनों समेत (3) से (7) के रूप में पुनर्संबोधाकृत किए जाएंगे।

(2) पुनर्संबोधाकृत उपविनियम (3) के पूर्व निम्नलिखित उपविनियम को निर्धारित किया जाएगा, नामस्तः—

“(2) न्यायपीठ व सरस्यों के बीच मतभेद होने की स्थिति में बहुसंघ्या का मत भाव्य होगा या न्यायपीठ का आदेश बहुसंघ्या के मतानुसार पारित होगा:

बाणी कि जूँ भामने की सुनवाई समसंघक न्यायपीठ के सदस्यों द्वारा की गई है और ऐसे सरस्यों का ब्रावर-ब्रावर मंचना में मत विभाजन है, तो भामने को अधिक्षम के भाग से रखा जाएगा जो मामले पर स्वयं विचार कर सकते हैं या किसी अन्य सदस्य को इसे निपटाने के लिए नामजद कर गक्के हैं।

(झ) विनियम 32 में—

(1) उपविनियम (1) में, वाक्य (VIII) के रूपान पर निम्नलिखित वाक्य को प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामस्तः—

“(VIII) भार्तीयों के नामांशहोने के गामनों को नियन्त्रण के लिए।”

(2) उपविनियम (2) के लिए निम्ननिर्धारित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामस्तः—

“(2) वाक्य (ii), (iii), (v) और (vi) के अन्तर्गत पीठ अधिकारी के किसी निर्णय के विरुद्ध अपांत दुष्कृत पद को इम प्रकार के निर्णय को प्रेपित होने के पश्चात् दित के अन्दर न्यायपीठ के गमन करनों होना।”

(ग) विनियम 33 के उपविनियम (2) के वाक्य (ग) में “पुनर्ग्रन्थ” शब्द के स्थान पर “अभियन्त” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ट) विनियम 36 में—

(i) उपविनियम (1) के वाक्य (1) के स्थान पर निम्नलिखित वाक्य प्रतिस्थापित किया जाएगा—

“(1) कम से कम एक बार उम जिते में जिसमें कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित है, प्रकाशित होने तथा विकास वाले एक अंग्रेजी एनिक समाचार पत्र तथा एक उस जिसे की प्रधान भाषा में प्रकाशित होने तथा विकास वाले समाचार पत्र में प्रकाशित करेगा जिसमें याचिका गारीब होगा और यह कहा गया होगा कि जिस अधिकत का स्वार्थ समराज्य-पत्र में प्रस्तुति परिवर्तन से प्रमाणित होने जाता है नीतिस प्रकाशित होने के 21 विन के अन्दर पीठ अधिकारी को स्वार्थ की प्रकृति और विरोध के आशार को सूचित कर सकता है।

(ii) उपविनियम (9) के लिए निम्न उपविनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामस्तः—

“(9) जहाँ किसी भी पक्ष से, जिसे निधिवत् नोटिस नामित की गई है, कोई आपहित प्रान नहीं हुई है, पीठ अधिकारी याचिका को बिना सुनवाई के प्रादेश के लिए प्रस्तुत कर सकता है।

(iii) उपविनियम (10) विलुप्त कर दिया जाएगा।

(ठ) विनियम 40 के उपविनियम (1) “एक कम्पनी द्वारा अपराध किया जाएगा” शब्दों के बाद या “इसके चूक करने वाले अधिकारियों” शब्द को निर्धारित किया जाएगा।

(इ) विनियम 41 के लिए निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामस्तः—

“इन विनियमों के प्रावधान, प्रावधान परिवर्तनों के यथा एकाधिकार अधिनियम की व्यापार 2क के अन्तर्गत की गई याचिकाओं पर भी लागू होंगे।

(इ) विनियम 45 के लिए निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामस्तः—

“45 न्यायपीठ के किसी आदेश में कोई लिपिकोय या गणीतीय भूल या उसमें होने वाली कोई अकलिमक त्रुटि या विलोप किसी भी समय न्यायपीठ द्वारा स्वयंसेव या किसी पक्ष के आवेदन करने पर द्रुतगति किया जाएगा है।”

(ण) अनुलग्नक 1 में—

(i) कम संख्या 1 के सामने “राज्य/संघ क्षेत्र” के कालम में “उडीया” शब्द के बाद “यिनिकम” शब्द निर्दिष्ट किया जाए।

(ii) कम संख्या 4 के सामने “राज्य/संघ क्षेत्र” संबंधी कालम में “वोद्धा और नगर हवेली के संघ क्षेत्र” शब्दों के रूपान “दाकदा और नगर हवेली पर्यंत इमन नथा दिन” शब्दों तो दीर्घवर्ती “होगा जाएगा।”

(त) अनुलग्नक II में—

(i) कार्य क्रमांक 1 में, “दाकिया-विवरण” शार्क के अन्तर्गत—

(क) मद 5 में “अम्पनी अधिनियम, 1956” शब्दों के बाद “या विलम्बित अधिनियम, 1956” शब्द निर्दिष्ट किया जाए।

(ख) पदमध्य 10 में उपमद (1) और (4) के लिए निम्नलिखित पदों के काल: अप्रियापित रही जाएगी—
“(1) बैक को यह शास्त्र जिस देने को कहा जाए;
(2) निर्वाचक फर्म दारी के का नाम।”

(ii) कार्य क्रमांक 4 के बाद निम्नलिखित कार्य निर्धारित किया जाएगा, नामस्तः—

कार्य क्रमांक —5

[देखिए विनियम 18 (3)]

प्रबोध—सम्मण पत्र

सेवा में

स्थाय पीठ अधिकारी,
अम्पनी विवि बोई—; न्यायपीठ
के मामले में याचिकाकर्ता

मनाम

.....प्रतिपक्षी

(क. पा. म. 199 की)

महोदय,

कृपया यह सूचना स्वीकार करें कि कि भी क या, पूर्णकालिक प्रेक्षितग में संलग्न सचिव/प्रैक्टिस में लगा दुप्राचार्टेंट/प्रैक्टिस में लगा दुप्राचार्ट और बक्स एकाउन्टेट विधिवत प्रवेश करने के लिए अधिकृत हूँ और मैं याकिकाकर्ता/विरोधी पक्ष/रजिस्ट्रार/कोर्टीर निदेशक/..... की मर्कार की ओर से उपरोक्त याचिका में प्रवेश करना हूँ ।

*निदेशक मंडल द्वारा पारिल एक संकल्प जिसमें मुझे प्रवेश करने और उक्त पक्ष के लिए कार्यवाही से संबंधित कोई भी कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया है, यंत्रन है जिस पर शिल्पन के लिए मेरा हस्ताक्षर अंकेन है ।

मध्यवर्तीय

()

प्रतीक्षा:-

तारीख 19..... का दिन दरवाया स.:-

*जो भाग न हो उसे रखा दीर्घिय ।

(अ) मंसमनक III में,

- (i) कम संख्या 1 के सामने, कालम 4 में, मद 11 में, पच्च, संक्षेप और कोडलक “और 36(2)” लो अन्त में निक्षिप्त किया जाएगा ।
- (ii) कम संख्या 5 के सामने, कालम 4 में, मद 6 में संख्या 6 और कोडलक “14(4)” के स्थान पर संख्या अंतर कोडलक “11(3)” प्रतिस्थापित किया जाएगा ।
- (iii) कम संख्या 9 के सामने, कालम 4 में, “जहाँ याचिका किसी अन्य व्यक्तिका द्वारा की नहीं है” शब्दके अन्तर्गत, मद संख्या 6 के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित होगी, नामगत: “G. बोर्ड के नंकल्प या जैसी भी स्थिति हो वकालत नामे के सहित प्रवेश-स्मरण पद ।”
- (iv) कम संख्या 12 के सामने, कालम 4 में, मद संख्या 5 के लिए निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, नामगत: “5. बोर्ड के गंकल्प या जैसी भी स्थिति हो, वकालत नामे के सहित प्रवेश-स्मरण पद ।”
- (v) कम संख्या 13, कालम 4 में:-
 - (क) मद संख्या 2 में संख्या, प्रभार और कोडलक “293 (1)(क)” के लिए संख्या, प्रभार और कोडलक “293 (1)(घ)” प्रतिस्थापित किया जाएगा ।
 - (ख) मद 3 को विलुप्त कर दिया जाएगा ।
- (vi) कम संख्या 14 के सामने, कालम 4 में, मद 4 के लिए निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, नामगत: “(4) बोर्ड के संकल्प या जैसी भी स्थिति हो, वकालत नामे के सहित प्रवेश-स्मरण पद ।”
- (vii) कम संख्या 15 के सामने कालम 4 में, मद 4 के लिए निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, नामगत: “4 बोर्ड के संकल्प या जैसी भी स्थिति हो वकालत नामे के सहित प्रवेश-स्मरण पद ।”

(viii) कम संख्या 17 के सामने, कालम 4 में, मद 4 में किए निम्नलिखित मदे प्रतिस्थापित की जायेंगी, नामगत:-

“4 बोर्ड के संकल्प या जैसी भी स्थिति हो वकालत नामे गहित प्रवेश स्मरण-पद ”

(ix) कम संख्या 23 के सामने, कालम 4 में

(क) मद 5 के लिए, निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जायेगी, नामगत:-

(i) बोर्ड के गंकल्प या जैसी भी स्थिति हो वकालत नामे गहित प्रवेश स्मरण-पद ।

(ख) मद 4 के बाद निम्नलिखित मद आगे जायेगी नामगत:

“5 अंतिम को तात प्रतिस्थापित प्रतिवाद ।”

[नं. 1/10/88-सी एवं बी]

अध्यक्ष विविध बोर्ड के प्रवेश में

भ्रभाधारण, गवर्नर, फैसली दिविं बोर्ड

ठिकाना—प्रवाल वित्तियम

ना. का नि. मंध्या २७। (इ) विनांक ३।-५-९।

COMPANY LAW BOARD

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1992

G.S.R. 492(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (6) of section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby makes the following amendments to the Company Law Board Regulations, 1991, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Company Law Board (Amendment) Regulations, 1992.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Company Law Board Regulations, 1991,—
 - (a) after sub-regulation (3) of regulation 4, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that, notwithstanding anything contained in regulation 7, it shall be lawful for the Chairman to transfer any matter pending before any Regional Bench to the Principal Bench, for reasons to be recorded in writing.”
 - (b) in the proviso to sub-regulation (3) of regulation 7, the following words shall be added at the end, namely :—

“or at any other place outside the region with the consent of the parties.”
 - (c) for sub-regulation (2) of regulation 14, the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

(2) The petitioner shall serve a copy of the petition, reference or application on the respondent or respondents, as the case may be, and produce evidence of such service”.
 - (d) in regulation 18,—
 - (i) in sub-regulation (2), for the words “authorised representative” the words “party or the authorised representative or the advocate” shall be substituted.

(ii) in sub-regulation (3), the words and figures "as in Form No. 5 in Annexure II" shall be added at the end.

(e) for sub-regulation (2) of regulation 19, the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(2) A party may, in writing, authorise an advocate or a Secretary-in-whole-time practice or a practising Chartered Accountant or practising Cost and Works Accountant, to function as a representative of such party. A company may appoint and authorise its Director or Company Secretary to appear in its behalf, in any proceeding before the Bench. The Central Government, the Regional Director or the Registrar may authorise an office to appear in its behalf".

(f) in sub-regulation (7) of regulation 21, the words "for the protection of the interests of the shareholders, creditors or any class of them" shall be omitted.

(g) regulation 27 shall be omitted.

(h) in regulation 29,

(i) Existing sub-regulations (2) to (6), both inclusive, shall be renumbered as sub-regulations (3) to (7).

(ii) before sub-regulation (3) as renumbered, the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(2) In case of difference of opinion among the members of the Bench, the opinion of the majority shall prevail and the opinion or orders of the Bench shall be expressed in terms of the views of the majority :

Provided that where a matter is heard by a Bench consisting of an even number of Members and such members are divided equally in their opinion, it shall be placed before the Chairman who may himself deal with the matter or nominate any other Member to deal with the same".

(i) in regulation 32,—

(i) in sub-regulation (1), for clause (viii), the following clause shall be substituted, namely :—

"(viii) to dispose of matters relating to service of notices".

(ii) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(2) An appeal against any decision by a Bench Officer under Clauses (ii), (iii), (v) and (vii) shall be made to the Bench by the aggrieved party within fifteen days from the date such decision is communicated to him".

(j) in Clause (k) of sub-regulation (2) of regulation 33, for the word "review" the word "remarks" shall be substituted.

(k) in regulation 36,—

(i) for Clause (i) of sub-regulation (1), the following clause shall be substituted, namely :—

"(i) published a general notice, atleast once, in the district in a daily newspaper published in English and in the principal language of that district in which the registered office of the company is situated, and circulating in that district clearly indicating the substance of the petition and stating that any person whose interest is likely to be affected by the proposed alteration of the Memorandum may intimate to the Bench Officer within twenty one days of the date of publication of that notice, the nature of interest and grounds of opposition; and"

(ii) for sub-regulation (9) the following sub-regulation shall be substituted namely :—

"(9) where no objection has been received from any of the parties, who have been duly served, the Bench Officer may put up the petition for orders without hearing;"

(iii) sub-regulation (10) shall be omitted.

(l) in sub-regulation (1) of regulation 40, after the words "offence shall be made by a company", the words "or its officers in default" shall be inserted.

(m) for regulation 41, the following regulation shall be substituted, namely :—

"Provisions of these regulation shall apply, mutatis mutandis, to the petition made under section 2A of the Monopolies Act.

(n) for regulation 45, the following regulation shall be substituted, namely :—

"45 Any clerical or arithmetical mistakes in any order of the Bench or error therein arising from any accidental slip or omission may, at any time, be corrected by the Bench either or its own motion or on the application of any party;"

(o) In Annexure I,—

(i) against Sl. No. 1, in the column relating to "States Union Territories", after the word "Orissa", the word "Sikkim" shall be inserted.

(ii) against Sl. No. 4, in the column relating to States/ Union Territories", for the words "Union Territory of Dadra & Nagar Haveli", the words "Union Territories of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu" shall be substituted.

(p) in Annexure II,—

(i) in Form No. 1, under the heading 'Details of petitions',—

(a) in item No. 5, after the words "the Companies Act, 1956", the words "or Securities Act, 1956" shall be inserted;

(b) in item No. 10, for sub-items (i) and (ii), the following items shall, respectively, be substituted, namely :—

(i) Branch of the Bank on which drawn;

(ii) Name of the issuing Branch;".

(ii) after Form No. 4, the following Form shall be inserted, namely :—

"FORM NO. 5
[See regulation 3(3)]

Memorandum appearance

To

The Bench Officer.
Company Law Board..... Bench
In the matter of..... Petitioner.

-V-

..... Respondent
(C.P. No. of 199)

Sir,

Please take notice that I, AB, Secretary in whole-time practice|practising Chartered Accountant|practising Cost & Work Accountant, am duly authorised to enter appearance and do hereby enter appearance, on behalf of.....petitioner/ opposite party|Registrar|Regional Director|Government of in the above mentioned petition.

*A copy of the resolution passed by the Board of Directors authorising to enter appearance and to act for entry purpose connected with the proceedings for the said party is enclosed, duly signed by me for identification.

Dated.....day of.....19.....

Enclosure : as aforesaid

*Strike if not applicable

Yours sincerely,

()

Address :

Tele No :

(q) In Annexure III

(i) against Sl. No. 1, in column 4, in item No. 11, the word, figures and brackets 'and 36(2)' shall be inserted at the end.

(ii) against Sl. No. 5, in column 4, in item No. 6, for the figures and brackets '14(4)' the figures and brackets "14(3)" shall be substituted.

(iii) against Sl. No. 9, in column 4, under the heading "where the petition is made by any other person", for item No. 6, the following item shall be substituted, namely :—

"6. Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(iv) against Serial No. 12, in column 4, for item No. 5, the following item shall be substituted, namely :—

"5. Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama as the case may be";

(v) against Sl. No. 13, in column 4,—

(a) in item No. 2, for the figures, letter and brackets 293 (1)(a) the figures, letter and brackets "293(1)(d)" shall be substituted.

(b) item No. 3 shall be omitted.

(vi) against Sl. No. 14, in column 4, for item No. 4, the following item shall be substituted, namely :—

"(4) Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(vii) against Sl. No. 15, in column 4, for item No. 4, the following item shall be substituted, namely :—

"4 Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(viii) against Sl. No. 17, in column 4, for item No. 4, the following item shall be substituted, namely :—

"4 Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(ix) against serial No. 23, in column 4,

(a) for item 4, the following item shall be substituted, namely :—

"(4) Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(b) after item 4, the following item shall be added, namely :—

"5. Three extra copies of the petition".

[No. 1/10/88-CLE]
By Order of the Company Law Board
S. BALASUBRAMANIAN, Member Company Law Board

Foot Note :—Principal Regulation
G.S.R. No. 291(E) dated 31-5-91.

